TEACHER'S HANDBOOK

हिंदी व्याकरण–2

उत्तर पुस्तिका

FRANKLIN

सृष्टि हिन्दी व्याकरण-2

PART - 2

Ch-1 (भाषा और बोली)

क- बोलकर और लिखकर।

ख- दो - लिखित और मौखिक।

ग- जब हम अपनी बात और विचारों को दूसरों तक लिखकर या बोलकर व्यक्त करते है वह मौखिक भाषा कहलाती है।

1. क-वह माध्यम जिसके द्वारा मनुष्य अपने विचारों का आदान-प्रदान करता है भाषा कहलाती है।

   ख- अपनी बात या विचारों को संकेतों के माध्यम से समझाना या समझना सांकेतिक भाषा कहलाती है।

   ग- जब हम अपनी बात और विचारों को दूसरों तक लिखकर या बोलकर व्यक्त करते है वह मौखिक भाषा कहलाती है, जैसे गाना, भाषण देना , पाठ पढ़ना इतियादी।

   जब हम अपनी बात या विचारों को लिखकर व्यक्त करते है तो वह लिखित भाषा कहलाती है, जैसे पत्र लिखना, पाठ लिखना इतियादी।

   घ- सुंनना, बोलना, पढ़ना, लिखना।

2. (I)- भाषा पूरे देश की होती है जबकि बोली किसी समुदाय या प्रदेश क्षेत्र की होती है।

   (ii)-भाषा के दो रूप होते है जबकि बोली के रूप नहीं होते।

3-. Do it yourself. 4- Do it yourself.

Ch-2 (वर्णमाला और मात्राएँ)

क- रंग, अंग, रंक, शंख, पंख

ख- हिंदी भाषा में 11 स्वर तथा 33 व्यंजन होते है।

1. क - स्वरों के चिन्हों को मात्रा कहते है। ख - "ऋ" की मात्रा ।
2. ख, घ, ड़, च, छ, झ,ञ ट,ड, थ, द,न
3. स्वर- ऐ, ऊ,उ, ई,अ, आ,इ, औ,ओ व्यंजन- क,प,स,र,च,छ,त,ल,ठ,फ, ह,भ
4. औरत , झंडा, सिक्का, आम, शेर, लट्टू 5- Do it yourself. 6- Do it yourself.

Ch-3 (शब्द और वाक्य)

क- वर्णों के सार्थक मेल से शब्दों का निर्माण होता है।

ख- वाक्यों का प्रयोग लिखित एवं मौखिक भाषा में विचारों को अभिव्यक्त करने के लिए होता है।

1. क- शब्द ख- उचित ग- अर्थ घ- वर्णों ड-वाक्य
2. क- ला+ल+टे+न ख- क+रे+ला ग- क+बू+त+र
3. क- आम के पेड़ पर तोता बैठा है। ख-उपवन में पुष्प खिल रहे है।
   ग- मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी है।
4. क- डॉक्टर ख-रेडियो ग- केक घ- पुलिस
5. क- बच्चा मैदान में पतंग उदा रहा है। अपनी पतंग को हवा में देखकर बच्चा खुश हो रहा है। पास ही गाय खड़ी है। मैदाइन में रंग-बिरंगे फूल खिले हुए है।

Ch-4 (संज्ञा)

क- संज्ञा के तीन भेद होते है व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, भाववाचक संज्ञा ।

ख- बुढ़ापा, मित्रता।

1. क- महात्मा गाँधी, भगवन शिव। ख- मोर, तोता। ग- शेर, बन्दर।
   घ- लालकिला, ताजमहल
2. क- रानी लक्ष्मी बाई, भगत सिंह, ताजमहल, मोगली।
   ख- मोर,हाथी, अंगूर, पाठशाला ।
   ग- मोटापा, हंसी, बुढ़ापा, रोना ।
3. Do it yourself. 4- Do it yourself.

Ch-5 (सर्वनाम)

क- यह, इसे, इसका, ये, इन्हे, इनका।

ख- नाम वाले संज्ञा शब्दों के स्थान पर सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

1. क- उसे ख- तुम ग- मैं घ- आपने ड- हम

2- क- यह मेरा घर है । ख- आप कहाँ जा रहे हो ? ग- यह किसका सामान है? घ- तुम्हारा नाम क्या है? ड- क्या वह कमीज़ उसकी है।

3. क- आप, आपने, आपका ख- तुम, तुम्हें, तुम्हारा ग- मैं, मुझे , मेरा
4. उन्हें, आपको, मैं , इसका, उनका, ये, तुम्हारा, उन्होंने, वह

Ch-6 (विशेषण)

क- विशेषण शब्द संज्ञा और सर्वनाम की विशेषता और गुणों के आधार पर बताते है।

ख- सूंदर और दो किलो

1. क- स्वच्छ ख- स्वादिष्ट ग- काला घ- दो
2. क- स्वच्छ ख- स्वादिष्ट ग- काला घ- दो
3. सुन्दर, होशियार, पतला, हँसमुख, फुर्तीला
4. क-मेरे मित्र का नाम शाम है। वह मेरी पढाई में मदद करता है।
   वह क्लास में प्रथम आता है। उसका रंग गोरा और शरीर दुबला है।
   वह स्वस्थ शरीर का धनी है।

Ch-7 (क्रिया)

क-क्रिया शब्द

ख- सोना, खाना , पीना, नहाना, पढ़ना, लिखना, खेलना इतियादी।

1. क-गर्मियों की छुट्टियों में हम सोना, खाना , पीना, नहाना, पढ़ना, लिखना,3 खेलना इतियादी काम करते है।

   ख- नहाना,खाना,पीना, इतियादी कार्य करते है।

   ग- साफ़-सफ़ाई में, सब्ज़ी धोने में, धुले कपडे सुखाने में, भोजन के बाद बर्तन जमा करने में इतियादी।

2. क-भोजन पकाना ख- घर की साफ-सफाई करना ग- कपडे धोना

   घ- बाजार से सब्ज़ी और दूध लाना।

3. क-दौड़ने ख- हँसती ग- खिलाया

Ch-8 (लिंग)

क- पिता शब्द का स्त्रीलिंग माता और अध्यापिका का स्त्रीलिंग अध्यापक है।

ख- मछली

1. क- वे शब्द जो स्त्री एवं पुरुष जाती का बोध कराते है लिंग कहलाते है।

   ख- Do it yourself. ग- पुल्लिंग- लड़का, शेर, बैल, हाथी

   स्त्रीलिंग- बकरी, नानी, मैना, अध्यापिका घ- नायक

2. पुत्र, तोता, मालिन, नायिका, दादा, अध्यापिका, देवी, हथनी, घोडा, लड़की, ऊँटनी, बकरा, मालिन, गाय

3. पुल्लिंग- तोता, बैल स्त्रीलिंग- लड़की, देवी

4. Do it yourself. 5- Do it yourself.

Ch-9 (वचन)

क- शब्द के जिस रूप से किसी प्राणी या वस्तु का बोध हो उसे एकवचन कहते है।

ख- शब्द के जिस रूप से एक से अधिक प्राणियों या वस्तुओं का बोध हो उसे बहुवचन कहते है।

1. क- एकवचन ख- पाठशालाएँ ग- बहुवचन

2. क-पुस्तक ख- कौआ ग- कवि घ- मित्र

   ड- चुहिया च- टहनी छ- माला ज- आँख

3 क- ये मेरी पुस्तकें हैं। ख- कुत्तें भौंकते हैं।

   ग- फूलों पर तितलियाँ मंडरा रहीं हैं। घ- बन्दर केले खा रहें हैं।

4. क-कपड़े ख- पेड़ों ग- साड़ियां घ- कहानियाँ

5. Do it yourself.

6. क-पेन्सिलें	ख- सब्ज़ियाँ	ग- चुहियाँ	घ- कमरा
ड- आँखें

Ch-10 (विलोम)

क- एक-दूसरे का उल्टा अर्थ बताने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते है।

ख- नीचे, अयोग्य, उजाला

ग- विपरीतार्थक शब्द

1. क- एक-दूसरे का उल्टा अर्थ बताने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते है।
ख- ऊपर-नीचे, योग्य-अयोग्य, आना-जाना, गर्म-ठंडा
2. क-गरीब	ख- छोटा	ग- दुःख	घ- कठिन
3. ख- हलका	ग- अन्याय	घ- शाम
4. साहस, धैर्यता , कर्मठता , परिश्रमी
5. नया-पुराना	प्रश्न-उतर,	सुख-दुःख,	सही-गलत,	अंदर-बाहर,
हार-जीत,	गुण-अवगुण,	धूप- छाँव

Ch-11 (पर्यायवाची)

क-पर्यायवाची शब्द को समानार्थी शब्द भी कहते है।

ख- अम्मा या मम्मी

1. क-रास्ता, मार्ग।	ख- हवा, समीर	ग- आसमान
2. क- गिरि	ख-पुष्प	ग- सरिता	घ- रवि
3. Do it yourself.
4. क- पहाड़- गिरि, पर्वत	ख-फूल- पुष्प, सुमन	ग- नदी- सरिता, तटनी
घ- सूरज- रवि, भानु	ड-पक्षी- पंछी, खग	च- आसमान- अम्बर, नभ
छ- बादल- जलधर, मेघ	ज- नाव- कश्ती, नौका

Ch-12 (अनेक शब्दों के लिए एक शब्द)

क-सेवक	ख- डाकिया

1. क- शब्द समूह के लिए प्रयोग किये गए शब्दों को "अनेक शब्दों के लिए एक शब्द कहते है।"
ख- भाषा को सुन्दर और प्रभावशाली बनाने के लिए एक शब्द के लिए अनेक शब्दों का प्रयोग किया जाता है।
2. क -कुम्हार	ख - सुनार	ग- मोची	घ- किसान	ड- मूर्तिकार
3. भाषा को सुन्दर और प्रभावशाली बनाने के लिए हिंदी भाषा की व्याकरण में 'एक शब्द के लिए अनेक शब्दों" का प्रयोग किया जाता है।
4. अमर, शिक्षक, सत्यवादी, सब्ज़ीवाला, अदृश्य, धर्मात्मा, रसोइया, हलवाई

Ch-13 (गिनती , दिन और महीने)

क -Do it yourself. ख - Do it yourself. ग- Do it yourself.

घ- चार वर्षों के बाद फरवरी महीने में 29 दिन होते है उस वर्ष को लीप वर्ष कहते है

1. क- Do it yourself. ख - मंगलवार ग- गुरुवार
2. १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २०
3. नहीं, हम बिना जीरो के गिनती की कल्पना नहीं कर सकते क्यूंकि जीरो अंक का अपना एक महत्व है। जीरो यदि किसी अंक के साथ लग जाता है तो उसके स्थान और महत्व को दस गुना बड़ा बना देता है।
4. Do it yourself.

Ch-14 (रचनात्मक लेखन)

1. झूला, आइसक्रीम, जोकर, ढोलक, नाच, मिठाई
2. (माता-पिता, दादी, बच्चे और एक कुत्ता)
   - आज राधा का जन्मदिन है
   - राधा की सहेलियां उसके जन्मदिन पर आयी है
   - राधा के माता-पिता,भाई और दादी भी उसकी ख़ुशी में शामिल है
   - राधा जन्मदिन का केक काट रही है
   - राधा का पालतू कुत्ता मोती भी वहाँ है
3. आज कोमल ने अपने स्कूल के समारोह में डॉक्टर और पायलट को देखा।
   कोमल का मन उन्हें देखकर प्रसन्न हुआ।
   कोमल को दूसरों की सहायता करके बहुत ख़ुशी मिलती है।
   कोमल ने भी मन ही मन बड़े होकर डॉक्टर बनने की ठान ली।
   कोमल ने डॉक्टर और पायलट के प्रति आपने आदर-भाव प्रकट किये।
4. कहानी लेखन -
   (टोपीवाला और नकलची बन्दर) - टोकरी, टोपियाँ, पेड़, नींद, पेड़, बंदरों, टोपीवाले, पेड़, टोकरी, टोपियाँ, टोपिया, टोकरीवाले, टोपियाँ, बन्दर, बन्दर, टोपीवाला, बन्दर, टोपीवाले, टोपी, टोपियाँ, टोकरी, टोपीवाले
   (नन्ही चिड़ियाँ) - जंगल, पेड़, घोंसले, भीषण आग, जानवर, भागने लगे, नन्ही चिड़िया, छिड़क दिया, नदी, भीषण आग, जानवरों, हंसने लगे, नहीं बुझेगी , प्राण बचाकर, नहीं भागूंगी, मेरा घर, प्रयास करूंगी, अहसास, क्षमा, आग बुझाने, मेहनत सफल, बुझ गई

Ch-15 (पत्र लेखन)

1. - 18 - बी, मदनगीर,
   - दिल्ली।
   - 19 दिसंबर 2023

   आदरणीय माताजी,

   ईश्वर , बेहतर है, पढाई करता, कुशलपूर्वक होंगें, मीतू, आज्ञाकारी पुत्र, महेश
2. - सेवा में,
   - प्रधानाध्यापक,
   - आदर्श विद्यालय,
   - मेहरोली, दिल्ली।

   निवेदन, 28-12-2023 , नहीं आ सकता , 27-12-2023 से 29-12-2023,
   अवकाश देने की , आज्ञाकारी शिष्य , रौनक
3. (क)

   16 -एम,शिवालिक ,
   दिल्ली।
   19 दिसंबर 2023
   आदरणीय पिताजी,
   सादर चरण स्पर्श।
   मैं यह स्वस्थ और कुशल हूँ। आशा करता हूँ कि आप लोग भी कुशल होंगे।
   पिताजी मैं अपनी कक्षा में प्रथम स्थान पर रहा। मेरी प्रधानाचार्या,
   अध्यापिकाओं, सहपाठियों ने भी मुझे प्रथम आने के लिए बधाई दी। आशा है
   आप तथा परिवार के सभी सदस्य मेरी इस सफलता पर बहुत प्रसन्न होंगे।
   अच्छा अब पत्र समाप्त करता हूँ। माताजी को चरण स्पर्श।
   आपका आज्ञाकारी बेटा
   सोहन

   (ख)

   सेवा में,
   मुख्याध्यापक,
   राजकीय हाई स्कूल,
   नई दिल्ली।
   श्रीमान जी,
   सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके स्कूल के दूसरी कक्षा की छात्रा हूँ। अब
   हमारा पूरा परिवार दिल्ली से हरियाणा जा रहा है इस कारण से मुझे यह स्कूल
   छोड़ना पड़ेगा। कृपया करके आप मुझे स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र देने की
   कृपा करें ताकी में वहां पर किसी अन्य स्कूल में दाखिला लें सकू और अपनी
   पढाई पूरी कर सकूं। इसके लिए मैं आपकी सदा आभारी रहूंगी।
   धन्यवाद !
   आपका आज्ञाकारी शिष्या,
   शिवानी अत्री
   कक्षा दूसरी
   रोल नम्बर 21

Ch-16 (श्रवण कोशल)

1. क- गुड़िया रानी छोटी है। ख- गुड़िया का भैया छोटा है।
   ग- भैया, माँ की आँखों का तारा है। घ- गुड़ियाँ के मम्मी-पापा सच्चे हैं।
   ड- गुड़ियाँ कह रही है आप भी हमारे घर आओ।
2. क- बारासिंघा तालाब पर पानी पीने गया।
   ख- आपने सींगों को देखकर वह खुश हो गया।
   ग- आपने पतले और भद्दे पैरों को देखकर वह दुखी हो गया।
   घ- झाड़ियों में सिंह फस जाने के कारण शिकारी ने बारासिंघा को पकड़ लिया।
   ड- किसी भी चीज़ का घमंड करना अच्छा नहीं होता।
3. क-कुत्ता रोटी चुराता था।
   ख- दुखानदार ने कुत्ते को रोटी चुराते देख लिया था इसलिए कुत्ता भाग रहा था।
   ग- कुत्ता भागते हुए नदी किनारे जा पहुंचा।
   घ- नदी के पानी में अपनी परछाई को दूसरा कुत्ता समझ कर वह उसपर भौकने लगा।
4. क-किसान रामपुर नमक गॉव में रहता था ।
   ख- किसान के चार बेटे थे।
   ग- अपने बेटों से किसान ने लकड़ियों की एक गठरी को मंगवाया।
   घ-एकता में सर्वोच्च ताक़त होती है।

(अभ्यास प्रश्न पत्र.1)

1. क- सांकेतिक ख- वर्ण ग-मध्य में घ- वाक्य
2. क- सही ख- गलत ग-गलत घ- गलत ड- गलत
3. क- बोली ख- वर्णमाला ग-मात्रा घ- अर्थ ड- बहुवचन
4. पुल्लिंग- मोर, शेर,राजा, हाथी स्त्रीलिंग- गुड़िया, लड़की, नृतकी,गाय
5. एकवचन- बच्चा, पौधा, चिड़िया, घोडा
   बहुवचन- किताबें, लड़कियां, कुर्सियां, माताएँ
6. स्वर- उ,इ,ऋ,ए,अ,औ, ऐ,ऊ व्यंजन- घ, च,फ,ल,त,ट,ग,थ

(अभ्यास प्रश्न पत्र. 2)

1. क- सर्वनाम ख-क्रिया ग-पर्यायवाची घ- विलोम
   ड- सर्वनाम शब्द
2. क- सही ख-गलत ग-सही घ- सही ड- सही
3. १८,१३,८ १९,१६,९
4. क- विशेषण ख-क्रिया ग-समानार्थी घ- सर्वनाम
   ड- कहानी लेखन
5. मेरा नाम __ है।
   मुझे पढ़ना और खेलना बहुत पसंद है।
   मेरा पसंदीदा रंग नीला है।
   मैं सुन्दर चित्र बनाता/बनाती हूँ।
   मुझे दूसरों की सहायता करना अच्छा लगता है।